दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम
(सत्र–2022–23)

बी.ए. भाग–2
(हिंदी साहित्य) प्रथम प्रश्नपत्र
अर्वाचीन हिंदी काव्य

पूर्णांक: 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

प्रस्तावना एवं उद्देश्य : आधुनिक काव्य आधुनिकता की समस्त विशेषताओं को समेटे हुए है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व की भाव–भाषा, शिल्प, अंतर्वस्तु संबंधी समस्त विकास धारा यहां सजीव रूप में देखी जा सकती हैं। इसे अनदेखा करना मनुष्य की विकास यात्रा को नजर अंदाज करना है। इस यात्रा के साक्षात्कार के लिए आधुनिक काव्य का अध्ययन अपेक्षित ही नहीं अपितु अनिवार्य है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य – हिन्दी की आधुनिक कविता की स्वरूप तथा उसकी मूल संवेदना के विषय में जानकारी प्रदान करना साथ ही छायावाद के काव्यात्मक सौंदर्य को समझने की दिशा में प्रेरित करना। छायावादोत्तर काव्य और प्रयोगवादी कविता को समझने की दृष्टि विकसित करना ।

पाठ्य विषय :

1. मैथिलीशरण गुप्त – साकेत (नवम सर्ग) तीन पद – 1 मुझे फूल मत मारो... 2 आई हूं सशोक मैं अशोक...3 दोनो ओर प्रेम पलता है ।
2. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' –1.सखि बसंत आया
   2.वर दे, वीणा वादिनी
   3.हिंदी के सुमनों के प्रति पत्र
   4.तोड़ती पत्थर
   5.कुकुरमुत्ता (अबे सुनबे गुलाब....एक की दी तीन मैंने गुन सुनाकर)
3. सुमित्रानन्दन पंत –1.सुख–दुख
   2.परिवर्तन–2 पद–(1.खोलता इधर जन्मलोचन
   2.आज का दुख कल का आल्हाद)
   3.ताज।
   4.झंझा में नीम
4. माखन लाल चतुर्वेदी –1 बलि पंथी से
   2.सांझ और ढोलक की थापें
   3.मैं बेच रही हूं दही
   4.उलाहना
   5.निःशस्त्र सेनानी
5. स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय –1.सबेरे उठा तो धूप खिली थी
   2.साम्राज्ञी का नैवेद्य दान
   3.घर
   4.चांदनी जी लो
   5.दूर्वांचल

द्रुतपाठ हेतु निम्न कवियों का अध्ययन किया जाएगा, जिन पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे
1.अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 2.सुभद्रा कुमारी चौहान 3.श्रीकांत वर्मा 4.मुकुटधर पाण्डेय

23/02/23

अंक विभाजन :

3 व्याख्या .	21 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न :	24 अंक
3 लघु उत्तरीय प्रश्न :	15 अंक
15 अति लघुउत्तरीय प्रश्न :	15 अक

कुल–75 अंक

इकाई विभाजन :

इकाई एक – व्याख्या	18 कालखण्ड
इकाई दो– गुप्त और निराला	18 कालखण्ड
इकाई तीन – पंत, चतुर्वेदी और अज्ञेय	18 कालखण्ड
इकाई चार – द्रुत पाठ के कवि एवं आधुनिक काव्यधारा का इतिहास (राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)	18 कालखण्ड
इकाई पॉच – वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	18 कालखण्ड

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉं (CLO)

1. आधुनिक काव्य की युगीन प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं से विद्यार्थियों का परिचय कराना।
2. आधुनिक साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता, सहिष्णुता, सद्भावना एवं मानवीय मूल्यों को जागृत करना।
3. विविध आधुनिक विचार धाराओं में प्रवहमान हिंदी काव्य और कविता के समीक्षात्मक विवेचन से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4. युगीन भाषा, संस्कृति और समय की समझ विकसित करना।
5. आधुनिक काव्य, स्वतंत्रता के पूर्व और पश्चात की भाषा शैली एवं वैचारिक यात्रा का बोध कराता है इस वैचारिक यात्रा से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

23/02/23

28.2.2023

बी.ए. भाग–2
(हिंदी साहित्य) द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी नाटक, निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

पूर्णांक : 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

प्रस्तावना एवं उद्देश्य – हिन्दी गद्य के विकास ने हिन्दी साहित्येतिहास में वैचारिकता और आधुनिकता का मार्ग प्रशस्त किया । नवजागरण की रश्मि और स्वाधीनता की चेतना नाटकों निबंधों एवं अन्य गद्य विधाओं से ही प्रस्फुटित हुई । विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी गद्य के वैचारिक और सौंदर्यात्मक पक्ष से परिचित हो सकेंगे । हिन्दी नाटक के आरंभिक दौर में उसके स्वरूप संवेदनात्मक बुनावट तथा प्रगतिवादी स्वभाव से अवगत कराना तथा हिन्दी एकांकी के विषय में आरंभिक ज्ञान प्रदान करना । हिन्दी निबंध के स्वरूप से भी विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।

पाठ्य विषय– व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए दो नाटक, पांच प्रतिनिधि निबंध और चार एकांकी का निर्धारण किया गया है।

नाटक– 1. अंधेर नगरी –भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2. ध्रुवस्वामिनी –जयशंकर प्रसाद

निबंध–

1.क्रोध –आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. बसंत आ गया है। –डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. मजदूरी और प्रेम – सरदार पूर्ण सिंह
4. काव्येषु नाटकम रम्यम् –बाबू गुलाब राय
5. बेईमानी की परत –हरिशंकर परसाई

एकांकी–

1. दीपदान –रामकुमार वर्मा
2. तांबे के कीड़े –भुवनेश्वर
3. एक दिन –लक्ष्मीनारायण मिश्र
4. दस हजार –उदयशंकर भट्ट

द्रुतपाठ के लिए निम्नलिखित तीन गद्यकारों का अध्ययन किया जाएगा, जिन पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे :

1.राहुल सांकृत्यायन 2. महादेवी वर्मा
3.हबीब तनवीर 4. शंकर शेष

अंक विभाजन–

3 व्याख्याएं	21 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	24 अंक
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	15 अंक
15 अति लघु उत्तरीय प्रश्न	15 अंक

कुल – 75 अंक

इकाई विभाजन :

इकाई एक	–व्याख्या	18 कालखण्ड
इकाई दो	–अंधेर नगरी, ध्रुवस्वामिनी, क्रोध, बसंत आ गया है, मजदूरी और प्रेम	18 कालखण्ड
इकाई तीन	–काव्येषु नाटकम रम्यम्, बेईमानी की परत, दीपदान, तांबे के कीड़े, एक दिन, दस हजार	18 कालखण्ड
इकाई चार	–दुतपाठ के गद्यकार–राहुल सांकृत्यायन, महादेवी वर्मा, हबीब तनवीर, शंकर शेष	18 कालखण्ड
इकाई पाँच	–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (समग्र पाठ्यक्रम से)	18 कालखण्ड

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (CLO) :

1. गद्य साहित्य आधुनिक काल की प्रवृत्तियों एवं विचारधाराओं का जीवंत दस्तावेज है। हिंदी नाटक, एकांकी एवं निबंध हिन्दी गद्य साहित्य की महत्वपूर्ण सतत् प्रवाहमान विधाएँ हैं। इन विधाओं के विकासक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

2. हिंदी गद्य साहित्य आधुनिक जीवनानुभूतियों, संवेदनाओं और परिस्थितियों का परिचायक है। विद्यार्थियों को इन विधाओं के विकास क्रम, भाषायी एवं शिल्पगत सूक्ष्मताओं एवं विविधताओं से परिचित कराना।

3. गद्य साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में देशभक्ति और राष्ट्रीयता की भावना जागृत कराना।

23/02/23